

# परमेश्वर ईर्ष्यालु है

## परमेश्वर की स्तुति

परमेश्वर की स्तुति करना कि वह कौन है, उसके गुण, उसका नाम और उसका स्वभाव।

**गुणः परमेश्वर ईर्ष्यालु है।**

**परिभाषा:** भस्म करने वाली आग; जो अपनी बहुमूल्य संतानों की रक्षा के लिए उत्सुक है।

**शास्त्रः निर्गमन 20:4-6; निर्गमन 34:14; व्यवस्थाविवरण 4:23-24; याकूब 4:5-6**

अपने पापों को उस परमेश्वर के समक्ष चुपचाप स्वीकार करना जो हमें क्षमा करता है।

यदि हम अपने पापों को स्वीकार करें, तो वह विश्वासयोग्य और धर्मी है, जो हमारे पापों को क्षमा करने और हमें सभी अविनय से शुद्ध करने के लिए। 1 यूहन्ना 1:9 (NASB)

## धन्यवाद

जो कुछ उसने किया है, उसके लिए परमेश्वर का धन्यवाद करना।

हर बात में धन्यवाद दो; क्योंकि यह परमेश्वर की इच्छा है जो तुमसे मसीह यीशु में है। 1 फिस्सलुनीकियों 5:18 (NASB)

## मध्यस्थता

दूसरों की ओर से प्रार्थना में परमेश्वर के पास आना। दो या तीन का समूह बनाएं। पहले प्रत्येक बच्चे के लिए शास्त्र से प्रार्थना करें, फिर एक विशिष्ट निवेदन करें। प्रत्येक मां एक बच्चे का चयन करती है।

## हमारे अपने बच्चे:

शास्त्र : हे प्रभु, तू \_\_\_\_\_ के लिए दिव्य ईर्ष्या रखता है। मैं प्रार्थना करती हूँ कि \_\_\_\_\_ पूरी तरह से तेरा हो जाए और भलाई करने के लिए उत्सुक रहे। 2 कुरिन्यियों 11:2a; तीतुस 2:14b

## विशिष्ट निवेदन :

### शिक्षक/कर्मचारी:

शास्त्रः नीचे दिए गए शास्त्र या अपने बच्चे के लिए शास्त्र का उपयोग करें।

\_\_\_\_\_ की आंखें खोलें और उसे अंधकार से प्रकाश की ओर, और शैतान की शक्ति से परमेश्वर की ओर मोड़ें, ताकि वह अपने पापों की क्षमा प्राप्त कर सके और उन लोगों के बीच स्थान पा सके जो यीशु में विश्वास द्वारा पवित्र किए गए हैं। प्रेरितों के काम 26:18

## विद्यालय संबंधी चिंताएँ:

- अपने विद्यालय में पुनर्जीवन और आध्यात्मिक जागृति के लिए प्रार्थना करें।
- अपने विद्यालय के कर्मचारियों और विद्यार्थियों की सुरक्षा के लिए प्रार्थना करें।
- अपने विद्यालय में अन्य चिंताओं के लिए प्रार्थना करें।

## मॉम्स इन प्रेयर संबंधित चिंताएं

- प्रार्थना करें कि प्रत्येक विद्यालय विश्वभर में प्रार्थना से आच्छादित हो और प्रार्थना समूह स्थिर बने रहें।
- प्रार्थना करें कि इस सेवकाई की रक्षा हो, जिससे यह शुद्ध और एकता में बनी रहे।
- प्रार्थना करें कि और अधिक दानदाता इस सेवकाई के साथ सहभागिता करें, जिससे समूहों को सशक्त किया जा सके और राष्ट्रों तक सुसमाचार पहुँचाया जा सके।
- हमारे प्रार्थना कैलेंडर से एक सेवकाई निवेदन चुनें।

याद रखें, जो कुछ भी समूह में प्रार्थना किया जाता है, वह समूह में ही रहता है!